

फर्द अहकाम

जनानारायण बनाम जयाना

नाम न्यायालय न. ८८१
केस संख्या चं / २१३/२५

काम

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	13/10/25	<p>पत्रावली पेश हुई। पत्नी उन्मत्त उन्मत्त पत्नी उन्मत्त की वधु गंया लुगी गरी वधु लुगी जाकर पत्रावली उन्मत्त उन्मत्त गणवोवन रिया जग। श्रवण दि गिरलाक रुव चाइरुत गारापीपात के सेरीत वगैरे रचना रचित एकको है, पिपके रिक वर वाइरुत ना वरे। गतर रगेन 181124 की जारी केलि गतरि निषेधाग के उन्मत्त गारा उन्मत्तों के उन्मत्त दि गिरलाक तक जारी गतरि निषेधाग के पाछे रिया जात है कि चाइरुत गारापीपात खण्ड 1711, 1712, 1713, 1715, 1716, 1725 1726, 1727, 1728 उन्मत्त 9 कुल रकम 2-8600 रु वरि गतरि नेपटा पटवार हल नेपट उन्मत्त गिरगेन उन्मत्त गतरि कोशिकी रिकल जपका रिकल के मोन लेव रिवाइ की गतरि गतरि वगैरे रये पत्रावली कोमल बुगात होत इफि नेपट के उन्मत्त शरिल इफत ही निषेध गतरि गिरगेन 13/10/25 के निषेध जात को उन्मत्त (उन्मत्त) गतरि</p>	